PUBLIC FINANCE

Class - B.Com 2md year

Dr.D.S Singh
Assistant Professor
Deptt. Of Commerce
Sanjay Gandhi PG college
Sarurpur khurd.

Content has taken from- Sahity Bhawan publication Agra.

The writer are -Dr.K.L Gupta.

Content has taken from- Sahitya Bhawan Publishers & Distributots pvt ltd. Agra

Their writer are - Dr. B.C Simha.

Content has taken from- SBPD Publishing House Agra

Their Writer are - Dr. J.C Varsney.

शून्य आधारित बजटिंग एवं निष्पादन आधारित बजटिंग

(Zero Based Budgeting And Perfor-mance Based Budgeting).

[Zero Based Budgeting OR ZBB]

शून्य आधारित बजटिंग को क्रियात्मक, नियोजन एवं बजटींग प्रक्रिया के रूप में परिभाषित किया गया है, जिसमें प्रत्येक प्रबन्धक को अपनी बजट मांग को शून्य आधार मानकर बताना है और इसे सिद्ध करने का भार भी प्रत्येक प्रबन्धक पर रहेगा कि वह किसी मद पर धन क्यों व्यय कर रहा है। इस प्रक्रिया में, सभी क्रियाओं को निर्णय पैकेज माना जाता है। जिसमें उसे व्यवस्थित विश्लेषण द्वारा मूल्यांकन करके महत्व के आधार पर स्थान दिया जाता है।

परिभाषाएं
(Definition)

पीटर पायरर – "शून्य आधारित बजटींग एक संचालित नियोजन एवं बजटींग प्रक्रिया है, जिसमें प्रत्येक मैनेजर को अपने सम्पूर्ण बजट प्रस्तावों

2022.01.19 17:22

का औचित्य शून्य से बताना होता है, तथा प्रत्येक मैनेजर पर सबूत का भार डाल दिया जाता है कि उसे कोई धन क्यों व्यय करना चाहिए।

इस विचारधारा में सभी क्रियाएँ निर्णय पैकेज में पहचानी जाती है जिसे व्यवस्थित विश्लेषण द्वारा मूल्यांकित किया जाता है तथा महत्व के आधार पर क्रमबद्ध किया जाता है।

महत्वपूर्ण कदम
(Important Steps)

1. उद्देश्यों का मूल्यांकन (Evaluation of Objectives).
2. क्रियाओं का विश्लेषण (Analysis of Activities).
3. आवश्यक परिवर्तन (Important Changes)
4. इकाइयों की पहचान (Recognition of Unit
5. निर्णय पैकेज (Decision Packages)
6. क्रम निश्चित करना

2022.01.19 17:22

7. बजट प्रस्ताव निश्चित करना

पूर्व शर्तें (Pre-Conditions)

1. कठिन कागजी कार्य
2. सूचनाएं उपलब्ध होना
3. अवधारणा की स्वीकृति
4. व्यक्तियों का व्यवहार

लाभ. (Advantages)

1. वास्तविकता के निकट
2. लागत का सही निर्धारण
3. अधिकारियों का अच्छा भाग
4. क्रियात्मक कार्यक्षमता में वृद्धि
5. बजट में कमी

2022.01.19 17:22

सीमाएं (Limitations)

1. कार्यान्वयन में असावधानी
2. एक से अधिक वर्ष
3. पद्धति में परिवर्तन
4. व्ययों में अधिक उपयोगी

भारतीय परिस्थितियों में शून्य आधारित बजटींग (Zero Based Budgeting in Indian Conditions)

भारत में शून्य आधारित बजटींग पद्धति को लागू करने के लिए उपयोगी आर्थिक वातावरण पाया जाता है। भारतीय परिस्थितियों में अधिकारियों की रुचि, कार्य की प्राथमिकता, अच्छे प्रशासनिक शस्त्र, आदि घटकों से शून्य आधारित बजटींग को लागू करना सरल है। फिर भी, कुछ अन्य घटकों पर ध्यान दिया जाना आवश्यक माना गया है, जैसे, बहुस्तीय निर्णय लेना, उपयुक्त प्रबन्ध सूचना का अभाव, आदि। इन घटकों के शून्य आधारित

2022.01.19 17:22

बजटिंग के क्रियान्वयन में विपरीत प्रभाव पड़ सकते हैं अतः इन प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के प्रयास किए जाने चाहिए।

भारत में शून्य आधारित बजट का प्रयोग

भारत के आर्थिक सर्वेक्षण (1985-86) में कहा गया कि सरकार ने सिद्धान्त रूप में स्वीकार कर लिया है कि केन्द्रीय सरकार के विभाग शून्य आधारित बजट को अपनायें। इसके लिए निम्न कार्य करने होंगे:

(क) उद्देश्यों की पहचान।
(ख) एक तरह के कार्य को करने के लिए विभिन्न विकल्पों की जाँच।
(ग) लागत-लाभ विश्लेषण।
(घ) उद्देश्यों एवं क्रियाओं की प्राथमिकता निर्धारित करना।
(ङ) फालतू क्रियाओं की पहचान एवं त्याग।

भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के वार्षिक प्रतिवेदन (1980-90) में बताया गया कि वे अपनी क्रियाओं तथा योजनाओं के विषय में निष्पादन बजट

2022.01.19 17:22

(Performance Budget) का निर्माण कर प्रस्तुत करे। 1989-90 में 43 निष्पादन बजट तैयार कर प्रस्तुत किये गये। इस प्रतिवेदन में यह भी बताया गया कि आदर्श आबंटन तथा दुर्लभ साधनों के उपयोग के लिए शून्य आधार बजट तकनीक अपनाकर सभी मन्त्रालयों/विभागों को अपनी क्रियाओं पर पुनर्विचार करना है तथा प्राथमिक निर्धारित करनी है। इसे चरणों में किया जा रहा है। 1999-2000 के केन्द्रीय बजट को प्रस्तुत करते हुए वित मन्त्री ने बताया कि अगले बजट तैयार करने में पुनर्मूल्यांकन (जीरो बेस) आधारित बजट प्रणाली बनाने का प्रस्ताव किया। केन्द्रीय बजट 2001-02 में, लोक व्यय की गुणवत्ता (quality) में सुधार के लिए, इस बात पर बल दिया गया कि सभी मौजूदा कार्यक्रम (existing schemes) पर शून्य आधारित बजट व्यवस्था लागू होगी तथा केवल उन्हीं कार्यक्रमों को रहने दिया जाएगा जो स्पष्टतः कार्य-क्षम (efficient) तथा अनिवार्य (Essential)

भविष्य (Future)

शून्य आधारित बजटींग की सफलता हेतु यह आवश्यक है कि न[illegible]

2022.01.19 17:22

के बारे में सभी महत्वपूर्ण पहलुओं पर आवश्यक कार्यवाही की जाए। अधिकारियों को प्रशिक्षित करने हेतु बजट विश्लेषकों की सेवाएं प्राप्त की जानी चाहिए। शून्य आधारित बजटिंग के विभिन्न पहलुओं के व्यापक विश्लेषण एवं देश की विद्यमान आर्थिक दशाओं को ध्यान में रखते हुए यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि बजटिंग की इस नवीन पद्धति को आवश्यक सुरक्षात्मक उपायों के साथ प्रभावी ढंग से उपयोग में लाया जा सकता है। इन सभी वर्णित सावधानियों को ध्यान में रखकर शून्य आधारित बजटिंग का प्रयोग किया जाए, तो देश में अनुत्पादक व्ययों को प्रभावी ढंग से रोकने में सहायक सिद्ध होगा।

निष्पादन आधारित बजटिंग (Performance Based Budgeting OR PBB)

बजटन की परम्परागत व्यवस्था में सुधार एवं संशोधन के आधार पर बजटन की जो नवीन तकनीकें विकसित हुई हैं, उनमें 'निष्पादन आधारित बजटन' भी उल्लेखनीय है।

2022.01.19 17:22

निष्पादन बजटिंग की पृष्ठभूमि

परम्परागत बजटन में आगत (input) और निर्गत (Output) दोनों को मौद्रिक रूप में प्रस्तुत किया जाता रहा है और इसका मुख्य उद्देश्य वित्तीय नियन्त्रण बनाए रखना होता है। सर्वप्रथम 1949 में संयुक्त राज्य अमेरिका में हूवर कमीशन (Hoover Commission) ने अपनी रिपोर्ट में किया था, जिसमें यह संस्तुति की गई कि बजट ऐसा होना चाहिए, जो कार्यों, कार्यक्रमों और क्रियाकलापों पर आधारित हो।

निष्पादन बजटिंग से आशय

निष्पादन बजटिंग सरकार के कार्यों (Functions), परियोजनाओं (Projects) और क्रियाकलापों (Activities) पर आधारित होता है। यह बजट कार्य सम्पादन के साधनों पर जोर न देकर कार्य सम्पादन पर जोर देता है और इसका उद्देश्य सरकार की नीतियों तथा परियोजनाओं के वास्तविक उद्देश्यों को प्राप्त करना होता है। निष्पादन बजट की कुछ परिभाषयें निम्न प्रकार हैं:

2022.01.19 17:22

(1) "एक निष्पादन बजट वह है, जो उन आशयों एवं उद्देश्यों को प्रस्तुत करता है, जिनके लिये कोषों की आवश्यकता पड़ती है, साथ ही इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए प्रस्तावित कार्यक्रमों की लागत तथा कार्यक्रमों के अन्तर्गत सम्पादित किये जाने वाले कार्यों की माप के लिए परिणात्मक आंकड़े प्रस्तुत करता है।"

निष्पादन बजटिंग के स्तर
(Phases of Performance Budgeting)

1. नियोजन (Planning) ⇒ नियोजन से आशय दिए हुए उद्देश्यों और सीमाओं के अन्तर्गत बजट के कार्यमूलक उद्देश्यों को निर्धारित करना होता है। नियोजन की प्रक्रिया में निम्न पहलू शामिल होते हैं:

(अ) वित्त मन्त्रालय बजट की सीमा एवं मुख्य कार्य क्रमों को स्पष्ट करते हुए अपना वित्तीय विवरण तैयार करता है।

(ब) इसके पश्चात बजट विभाग इन नीति प्रधान विवरणों को विशिष्ट निर्देशों

2022.01.19 17:23

है, जो उन
स्तुत करता
आवश्यकता
यों को प्राप्त
ार्यक्रमों की
अन्तर्गत
कार्यों की
आंकड़े

र
Budgeting)

जूद से
और सीमाओं
मूलक
होता है।
न पहलू

ीमा एवं
करते
यार करता

इन नीति
निर्देशों

एवं सीमाओं के रूप में परिवर्तित करता है।

(स) सरकार की सामान्य नीतियों की सीमा के अन्तर्गत वित्त मन्त्रालय या बजट विभाग कार्यक्रमों की एक रूपरेखा प्रस्तुत करता है तथा विभिन्न कार्यक्रमों के लिए कुल राशि का निर्धारण भी करता है।

2. अनुमान लगाना [Estimating]
3. पुनरीक्षण [Reviewing]
4. क्रियान्वयन [Execution]

निष्पादन बजटींग के लाभ

(1) विभिन्न मन्त्रालयों, विभागों या क्रियाओं के कार्यों के भौतिक एवं वित्तीय पहलुओं में समन्वय स्थापित करना।

(2) प्रबन्ध के सभी स्तरों पर समीक्षा एवं निर्णयन के आधार पर बजटन प्रक्रिया में सुधार।

(3) नियन्त्रक सत्ताओं द्वारा कार्य निष्पादन की उचित समालोचना एवं प्रशंसा

2022.01.19 17:23

(4) निष्पादन अंकेक्षण को अधिक प्रभावशाली बनाना।

(5) दीर्घकालीन उद्देश्यों के सन्दर्भ में अल्पकालीन एवं वार्षिक निष्पादन का मूल्यांकन।

निष्पादन बजटिंग के लिए मुख्य कदम

निष्पादन बजटिंग तकनीक में बजट की तैयारी एवं क्रियान्वयन के सन्दर्भ में कुछ विशिष्ट कदम उठाने होते है, जो निम्न प्रकार है:

(1) प्रत्येक मन्त्रालय, विभाग या उत्तरदायित्व केन्द्र के लिए सार्थक कार्यक्रम या कार्यक्रमों को विकसित करना अनिवार्य है।

(2) कार्यक्रमों को छोटे-छोटे उप कार्यक्रमों या परियोजनाओं में विभाजित किया जाता है। जिससे वित्तीय अनुमान लगाने में सुविधा रहती है।

(3) परियोजनाओं का निर्धारण कर लेने के पश्चात प्रत्येक परियोजना के लिए कार्य-माप (Work-measurement) की इकाई का निर्धारण किया जाता है।

(4)

(5)

2022.01.19 17:23

इससे सम्पादित किए गए कार्य का अनुमान लगाने में सुविधा रहती है।

(4) प्रत्येक कार्यक्रम के लिये कोष के स्रोतों का निर्धारण किया जाता है।

(5) प्रत्येक परियोजना पर गत वर्ष एवं चालू वर्ष में किए गए व्ययों की तुलना की जाती है और विद्यमान परिस्थितियों के अनुसार भविष्य के लिए समायोजन किए जाते हैं।

भारत में निष्पादन बजटिंग

भारत जैसे देश में, जहाँ विकास के लिए आर्थिक नियोजन की व्यवस्था को अपनाया गया है, निष्पादन बजटिंग की भूमिका अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है। संसद की अनुमान समिति ने अपनी 20वीं रिपोर्ट (1955-56) में कहा था "बजटन की निष्पादन सहित कार्यक्रम व्यवस्था बजट में शामिल योजनाओं और परिव्ययों के उचित मूल्यांकन के लिए आदर्श होगी, विशेष रूप से वृहद्-स्तरीय विकास क्रियाओं की दशा में"।

यद्यपि निष्पादन बजटिंग को अपनाने के लिए अत्यन्त ही प्रशिक्षित

2022.01.19 17:23

एवं तकनीकी कर्मचारियों की आवश्यक
-ता पड़ती है, लेकिन आर्थिक नियोजन
की प्रभावशीलता तथा बजट राशि के
अनुकूलतम प्रयोग के लिए यह
तकनीक आवश्यक एवं उपयोगी है।

2022.01.19 17:23